Listening - सुनना

मातृभाषा शिक्षण में श्रवण कौशल की दक्षता का अत्यधिक महत्व है। प्रत्येक बालक भाषा सीखता है, बालक किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा उच्चारण की हुई ध्वनियों, शब्दों, भावों और विचारों को ~~सुनने~~ कानों से सुनकर अर्थ ग्रहण करने की क्रिया को श्रवण कहा जाता है। यह कौशल भाषा सीखने का प्रथम सोपान है। अन्य कौशलों को सीखने के लिए आधार बनता है। साधारणतया श्रोता द्वारा वक्ता के वचन या कथन को सुनते हुए वक्ता के अभिप्राय को समझना, श्रवण कहलाता है।

Scanned by TapScanner